वर्ष : 14 अंक : 1 जनवरी–मार्च 2019

पन्त प्रसार सन्देश

(प्रसार शिक्षा निदेशालय की त्रैमासिक समाचार पत्रिका)
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर–263 145, ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड

संरक्षकः डा. तेज प्रताप, कुलपति
मुख्य सम्पादकः डा. पी. एन. सिंह, निदेशक, प्रसार शिक्षा एवं समेटी
सम्पादकः डा. बी. डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं डा. बी.एस. कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान)

कुलपति संदेश

'पंत प्रसार सन्देश' पत्रिका का जनवरी–मार्च, 2019 (वर्ष 14:1) अंक आपके हाथों में है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध निष्कर्षों को जन–जन तक पहुंचाने में प्रसार शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रसार गतिविधियों को संकलित कर प्रबुद्ध वर्ग में प्रस्तुत करने से वैज्ञानिकों एवं प्रसार कर्मियों को प्रेरणा मिलती है। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों जैसे प्रशिक्षणों, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों इत्यादि द्वारा प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में कृषक, कृषक महिलाएं एवं युवक तकनीकी अर्जित कर आजीविका एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आशातीत वृद्धि करने में सफल होंगे ऐसा मेरा विश्वास है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के तत्वाधान में आयोजित "अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी" नवीनतम कृषि तकनीकों को जन–जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है, जिसमें किसानों की भारी भागीदारी हमारा उत्साहवर्धन करती है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विगत त्रैमास में उत्तर क्षेत्र क्षेत्रीय कृषि मेला –सह– 105वां अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रर्दशनी का भव्य रूप से आयोजन किया गया, जिसमें कृषि विकास हेतु कार्यरत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सैकड़ों फर्मों तथा हजारों किसानों ने हमें बहुत प्रेरित किया है। इस पत्रिका द्वारा पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा की गतिविधियों को आप तक पहुंचा कर हमें प्रसन्नता हो रही है। मुझे आशा है कि यह पत्रिका प्रसार कार्यों को और अधिक गतिशील बनाने में सहभागी होगी।

शुभकामनाएँ।

(तेज प्रताप)
कुलपति

डा. पी.एन. सिंह, नवनियुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा

डा. पी.एन. सिंह, प्राध्यापक (उद्यान) द्वारा मार्च 19, 2019 को निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी उत्तराखण्ड का पदभार ग्रहण किया गया। डा. सिंह का जन्म ग्राम–हथियर कलां, जनपद–वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा वाराणसी से पूरी करने के पश्चात् वहीं से 1975 में उदय प्रताप पी.जी. कालेज, वाराणसी से कृषि में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। तत्पश्चात् आप गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर से एम.एस. सी. कृषि (उद्यान) एवं पी.एच.डी. (उद्यान) क्रमशः वर्ष 1978 तथा 1983 में पूर्ण किया। कैरियर के प्रारम्भ में वर्ष 1983 में आप मेरठ विश्वविद्यालय के अधीन चौ. छोटू राम पी. जी. कॉलेज, मुजफ्फरनगर में प्रवक्ता (उद्यान) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। चार वर्ष उपरान्त वर्ष 1987 में गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में आपका चयन विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) के रूप में हुआ। इसके पश्चात् लंगभग 35 वर्षो से विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर आसीन रहे हैं। अपने कैरियर में आप द्वारा लगभग 50 शोध पत्र/लेख/प्रसार साहित्य का प्रकाशन किया गया। आप द्वारा फल उद्यान की एक पुस्तिका भी प्रकाशित की गयी है। विश्वविद्यालय में योगदान देने के पश्चात् से ही आप सदैव कृषकों के उत्थान, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, किसान मेला, कृषि गोष्ठी इत्यादि के सम्पादन में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। आप समय–समय पर शिक्षकों की समस्याओं को पूरा करने में अपना योगदान देते रहे हैं तथा इसी कड़ी में लगभग 04 वर्ष तक पंतनगर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष रहे एवं आपके अध्यक्षीय कार्यकाल में शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़कर 65 वर्ष हुई।

105वाँ अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का सफल आयोजन

प्रसार शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में 'कृषि कुंभ' के नाम से विख्यात उत्तर क्षेत्र क्षेत्रीय कृषि मेला –सह– 105वाँ अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का भव्य आयोजन मार्च 07–10, 2019 को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। किसान मेले का उद्घाटन दिनांक 07 मार्च, 2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे मुख्य अतिथि प्रगतिशील किसान पद्मश्री कंवल सिंह चौहान एवं पद्मश्री भारत भूषण त्यागी द्वारा अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधियों, अधिष्ठातागण, निदेशकगण, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं कृषकों की उपस्थिति में गाँधी मैदान में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तेज प्रताप एव प्रबन्ध परिषद के माननीय सदस्य श्री राजेश शुक्ला भी उपस्थित थे। मेले के उद्घाटन के पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा मेले का भ्रमण और विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों व वाह्य फर्मों एवं संस्थानों द्वारा लगाये गये स्टॉलों पर उत्पादों व तकनीकियों का अवलोकन किया

किसान मेले का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि

गया। गांधी हॉल में किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पद्मश्री कंवल सिंह चौहान ने कहा कि हरित क्रान्ति से रासायनिक कीटनाशक और उर्वरकों का अभिशाप मिला, इससे छुटकारा पाना जरूरी है। किसान जैविक खेती अपनाएं, पशुओं की संख्या बढ़ाएं। वैज्ञानिक स्थानीय नस्ल के पशुओं के विकास पर ध्यान दें तो किसानों की आय दोगुनी होगी।

उद्घाटन अवसर पर ही दूसरे अतिथि पद्मश्री भारत भूषण त्यागी ने कहा कि किसानों को आय दोगुनी करने के लिए जन मानस को दृष्टिकोण बदलना होगा एवं प्रकृति का सम्मान करते हुए खेती की तकनीक विकसित करनी होगी। अनुदान को आपने बीमारी बताते हुए इसे समाप्त करने पर बल दिया। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के अपर आयुक्त (विस्तार) डा. वाई.आर. मीणा ने कहा कि किसानों और शोध संस्थाओं को एक मंच पर लाने के लिए देश के विभिन्न भागों में किसान मेलों के आयोजन पर जोर दिया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तेज प्रताप ने कहा कि आने वाले समय में वही किसान बचेगा जो नयी तकनीक की खेती अपनाएगा। वर्तमान में नयी कृषि तकनीक लगभग एक प्रतिशत प्रगतिशील किसान भी अपना रहे हैं। आपने यह भी कहा कि हरित क्रांति का लाभ सब जगह नहीं पहुंचा, विशेषकर पहाड़ और सीमांत किसान इस क्रांति से अछूते रह गए। कुलपति जी ने किसानों का आह्वान किया कि मेले में प्राप्त जानकारियों को ग्रहण कर उनका उपयोग अपनी उपज और आय बढ़ाने में करें। साथ ही आपने कृषकों को सलाह दी कि जो काश्तकार मेले में नहीं आ पाये उन तक भी प्रसार करें, जिससे अधिकतम कृषक लाभान्वित हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को किसान मेले को और अधिक व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने की सलाह दी।

मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के साथ–साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के फर्मों द्वारा स्टॉल लगाकर कृषि से सम्बन्धित उत्पादों एवं

स्टॉल का निरीक्षण करते हुए मुख्य अतिथि

तकनीकों को प्रदर्शित किया गया। मेले में अनुसंधान केन्द्रों पर परीक्षणों/प्रदर्शनों का अवलोकन, खरीफ की फसलों के नवीनतम प्रजातियों के बीज व मिनीकिट की बिक्री, शाक–भाजी एवं फलों के उन्नत बीजों व पौधों की बिक्री, किसानोपयोगी उन्नत तकनीकों की प्रदर्शनी, आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय प्रकाशनों की रियायती दर पर बिक्री का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों द्वारा प्रत्येक दिवस अपरान्ह में विशेष व्याख्यानमाला तथा कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। पद्मश्री से नवाजे गये प्रगतिशील कृषक श्री भारत भूषण त्यागी एवं श्री कंवल सिंह चौहान द्वारा क्रमशः जैविक कृषि तथा दुग्ध उत्पादन, बेबी कार्न व स्वीट कार्न की खेती पर व्याख्यान दिये गये। कृषकों के मनोरंजन हेतु प्रत्येक दिवस सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मेले के दौरान किसानों की विशेष रूचि विश्वविद्यालय की शोध इकाईयों द्वारा उत्पादित गुणवत्तायुक्त बीजों के क्रय करने में रही। इसके अलावा मेले में विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं बीमा कम्पनियों के स्टॉलों द्वारा कृषकों हेतु ऋण एवं अन्य उपयोगी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का समापन 10 मार्च, 2019 को विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तेज प्रताप द्वारा अपराह्न 3:00 बजे किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की ओर से किसानों से किया जाने वाला सीधा संवाद उनकी समस्याओं का समाधान करता है। मेले में स्टॉल लगाने वाली फर्मों की प्रतिभागिता महत्वपूर्ण होती है। जहां किसान को एक ही उत्पाद या मशीनरी के अनेक विकल्प मिलते हैं। पंतनगर का किसान मेला वास्तव में कृषि कुंभ है। ऐसा मेला अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नहीं लगता। विश्वविद्यालय की ओर से किसानों को लगभग दो हजार क्विंटल बीज प्रतिवर्ष उपलब्ध कराया जाता है। कुलपति जी ने कहा कि उत्तराखण्ड में भेड़ और बकरी पालन अधिक होता है, इसलिए इनकी भागीदारी भी कराई गई। उन्होंने किसानों के मेले के प्रति लगाव को मेले की सफलता बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक श्री राजेश शुक्ला ने कहा कि शिखर पर पहुंचना तो आसान है लेकिन शिखर पर बने रहना मुश्किल है। पंतनगर विश्वविद्यालय शिखर पर बना हुआ है, यह सिर्फ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, बीज, शोध एवं कृषि तकनीक की वजह से ही सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि किसान मेले में दी गई नवीनतम जानकारियों से कृषि में आधुनिकता आएगी।

समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलपति

समापन समारोह में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास द्वारा मेले का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि किसान मेले में कुल 307 फर्मों (161 बड़ी एवं 129 छोटी) द्वारा स्टॉल लगाकर विविध उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। मेले में भारत के अलावा नेपाल के किसान एवं विद्यार्थी भी शामिल हुए और मेले का भ्रमण किया। किसान मेले में भारी संख्या में कृषकों सहित कृषक महिलाओं, विद्यार्थियों एवं अन्य आगन्तुकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस चार दिवसीय मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न शोध केन्द्रों के स्टॉलों द्वारा भारी संख्या में बीज/पौधों की बिक्री की गई तथा निजी फर्मों के स्टॉलों द्वारा कृषि निवेशों जैसे बीज, उर्वरकों, रसायनों इत्यादि की बिक्री की गई। समारोह के अन्त में निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी ने सभी सम्मानित अतिथियों का धन्यवाद किया।

मेले में प्रगतिशील कृषक सम्मानित

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न जनपदों के चयनित

प्रगतिशील कृषकों को कृषि के क्षेत्र में अभिनव परिवर्तन लाने एवं उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने के लिए अतिथियों द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किये गये कृषक श्री देवीदत्त भट्ट, ग्राम–रौसाल (चम्पावत); श्री सुशील कुमार सैनी, ग्राम–जमालपुर कलां (हरिद्वार); श्री दीवान सिंह मेहता, ग्राम–इंग्यार देवी (पिथौरागढ़); श्री पदम सिंह राणा, ग्राम–देवागाड़ (चमोली); श्री मनमोहन सिंह, ग्राम–कटना (नैनीताल); श्रीमती अनीता चौहान, ग्राम–रामनगर, डांडा (देहरादून); श्री शंकर राम, ग्राम–कॉटली (अल्मोड़ा); श्री सुरेश राणा, ग्राम–खैराना (ऊधमसिंहनगर) एवं श्रीमती सुखदेई देवी, ग्राम–कण्डारा (रूद्रप्रयाग) थे।

प्रगतिशील कृषक को सम्मानित करते हुए अतिथिगण

मेले में प्रतिभागी फर्मों के प्रतिनिधि सम्मानित

कृषि उद्योग प्रदर्शनी के पुरस्कार वितरण समारोह में अतिथियों द्वारा सर्वोत्तम स्टॉल का पुरस्कार मै. जय गुरूदेव इंडस्ट्रीज, रूद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) को तथा सर्वोत्तम प्रदर्शन का पुरस्कार मै. उत्तरांचल एग्रो इंडस्ट्रीज, किच्छा (ऊधमसिंहनगर) को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त ऑटोमोबाइल्स एवं ट्रैक्टर समूह में मै. न्यू हॉलेण्ड ट्रैक्टर्स–सी.एन.एच. इंडस्ट्रियल प्रा.लि.–नोएडा (उत्तर प्रदेश); टायर ग्रुप में मै. बाल किशन इंडस्ट्रीज लि.–मुम्बई (महाराष्ट्र), मै. फ्यूल कम्यूनीकेशन एण्ड मार्केटिंग सॉल्यूशन–नई दिल्ली; पावर टिलर्स, फार्म मशीनरी एवं टूल समूह में मै. पंजाब मोटर्स–रूद्रपुर (ऊधमसिंहनगर), मै. किसान फर्टिलाइजर एजेन्सी–काशीपुर (ऊधमसिंहनगर); इरिगेशन, पम्प, मोटर्स एवं कन्ट्रोल समूह में मै. फालकॉन ग्लोबल सेल्स प्रा.लि.–साहिबाबाद (उत्तर प्रदेश), मै. हिन्दुस्तान पम्प्स एण्ड इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग प्रा.लि.–करनाल (हरियाणा); फर्टिलाइजर्स समूह में मै. दयाल फर्टिलाइजर्स–मेरठ (उत्तर प्रदेश), मै. यारा फर्टिलाइजर इण्डिया प्रा. लि.–मेरठ (उत्तर प्रदेश); पेस्टीसाईड्स एवं बॉयो–पेस्टीसाईड्स समूह में मै. क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लि.–दिल्ली, मै. ओसवाल क्रॉप प्रोटेक्शन प्रा.लि.–सितारगंज (ऊधमसिंहनगर); एग्रो फोरेस्ट्री, नर्सरी, हर्बल एवं मेडिसिनल प्लान्टस् समूह में मै. सैंचुरी पल्प एण्ड पेपर–लालकुआँ (नैनीताल), मै. पल्लविका नर्सरी–रूद्रपुर (ऊधमसिंहनगर); वेटेरिनरी मेडिसिन्स एवं फीड सप्लीमेन्ट्स समूह में मै. मैनकाइन्ड फार्मा लि.–दिल्ली, मै. दि हिमालया ड्रग कम्पनी–मकाली, बंगलौर (कर्नाटका); बैंकिंग, हाऊसिंग एवं इन्श्योरेंस समूह में एस. बी.आई.–पंतनगर (ऊधमसिंहनगर), पी.एन.बी.–पंतनगर (ऊधमसिंहनगर); सीड समूह में मै. नुजीविदू सीड्स लि.–हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), मै. नुनहैम्स इण्डिया प्रा. लि. –गुड़गांव (हरियाणा) एवं मै. जगुआर एग्रो सीड्स प्रा.लि.–हल्द्वानी (नैनीताल) के स्टॉल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरित करते हुए कुलपति

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, धनौरी (हरिद्वार)

- केन्द्र द्वारा विगत त्रैमास में कुल 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के 308 कृषकों को कृषि एवं सम्बन्धित विषयों पर तकनीकी रूप में दक्ष किया गया।
- केन्द्र द्वारा 173 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों तथा कृषि की नवीनतम तकनीकियों पर 25 प्रक्षेत्र परीक्षणों का आयोजन किया गया।
- केन्द्र द्वारा ग्रामीण युवाओं में कौशल विकास करने हेतु दो प्रशिक्षण क्रमशः 'मशरूम उत्पादन' तथा 'वर्मी कम्पोस्ट' पर आयोजित किये गये। इन सात दिवसीय प्रशिक्षणों में 15–15 युवक/युवतियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षणों का प्रायोजन 'मैनेज' हैदराबाद द्वारा किया गया। इन प्रशिक्षणों के द्वारा युवाओं को सम्बन्धित व्यवसायों को आजीविका के रूप में अपनाने हेतु विस्तृत व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही इस व्यवसाय में लगे हुए अन्य जनपद वासियों से भी मिलाया गया।
- केन्द्र द्वारा कौशल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'स्किल इण्डिया' कार्यक्रम के अन्तर्गत 200 घन्टे अवधि के 'मशरूम उत्पादक' तथा 'वर्मी कम्पोस्ट उत्पादक' विषयों पर रोजगारपरक प्रशिक्षण आयोजित दिये गये। हरिद्वार जनपद के 20–20 युवक/युवतियों को इन व्यवसायों को आजीविका का साधन बनाने हेतु व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षणों में व्यवसाय से सम्बन्धित सभी पहलुओं जैसे निवेशों के क्रय एवं उपलब्धता, उत्पादन प्रणाली, भण्डारण तथा बाजार एवं विपणन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही जनपद में पहले से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सफल एवं अग्रणी व्यवसायियों से संवाद एवं उनके यहाँ प्रशिक्षणार्थियों का भ्रमण भी करवाया गया, जिससे इन सभी का सहयोग लेकर युवा अपना कार्य सुगमता से कर सकें।

मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन

- केन्द्र के तत्वावधान में फरवरी 16, 2019 को एक किसान मेला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस मेले में केन्द्र के साथ–साथ सभी रेखीय विभागों ने भी अपने द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं सम्बन्धी जानकारी देने वाले स्टॉल लगायें। इनमें कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उत्तराखण्ड जैविक बोर्ड, उरेडा प्रमुख रहे। इनके साथ ही इफ्को एवं कृषकों द्वारा भी मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शित किये गये। मेले में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने भी अपना स्टॉल लगाया। प्रदर्शनी में

जनपद किसान मेला/गोष्ठी एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन

452469

तीन कृषि यंत्र एवं ट्रैक्टर एजेंसियों ने भी भाग लिया एवं अपने उन्नत कृषि यंत्रों को प्रदर्शित किया। पंतजलि, हरिद्वार के कृषि उत्पादों ने भी मेले की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में सभी रेखीय विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। मेला संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि सम्बन्धी समसामयिक जानकारी प्रदान की गई तथा साथ ही कृषकों के प्रश्नों के भी उत्तर दिये। रेखीय विभागों के अधिकारियों ने भी कृषकों की शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया। मेले में जनपद के 800 प्रगतिशील कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्वालदम (चमोली)

- विगत त्रैमास में केन्द्र द्वारा कुल 22 प्रशिक्षणों का आयोजन कर 326 कृषकों, कृषक महिलाओं एवं ग्रामीण युवकों/युवतियों को नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए प्रशिक्षित किया गया। इन प्रशिक्षणो का आयोजन फसल उत्पादन, सब्जी उत्पादन, फसल सुरक्षा, फल उत्पादन, पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, चारा उत्पादन, पोषण प्रबन्धन, गृह वाटिका एवं उद्यमिता विकास इत्यादि विषयों पर किया गया। इसके अतिरिक्त रेखीय विभागों द्वारा आयोजित 06 कृषक गोष्ठियों में भी केन्द्र के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग करते हुये 348 किसानों को व्यवहारिक ज्ञान से लाभान्वित किया। केन्द्र द्वारा प्रसार कर्मियों के लिये भी 02 प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिसमें रेखीय विभागों के 38 कर्मियों ने प्रतिभाग किया। इन कर्मियों को जनपद की कृषि एंव इससे सम्बन्धित समस्याओं पर प्रमुखता से जानकारी दी गयी तथा उनके समाधान के सम्बन्ध में किसानोपयोगी तकनीकों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा कृषक प्रक्षेत्रों पर 42 भ्रमण कर 214 किसानों की कृषि सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया गया। इसी प्रकार वैज्ञानिकों द्वारा 12 डायग्नोस्टिक विजिट कर 84 किसानों को उनकी कृषि सम्बन्धी समस्याओं का निराकरण किया गया। प्रदेश के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित 02 एक्सपोजर विजिट में 52 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। जिन्हें केन्द्र पर आयोजित प्रदर्शनों एवं सब्जी पौध उत्पादन के अतिरिक्त केन्द्र द्वारा जनपद के किसानों को प्रसार कार्यक्रमों के माध्यम से दी जा रही तकनीकों से अवगत कराया गया। किसानों द्वारा केन्द्र पर कुल 46 भ्रमण किये गये, जिसमें 158 किसानों ने प्रतिभाग किया। इन किसानों को भी कृषि एवं इससे सम्बन्धित विषयों के साथ–साथ उनकी कृषि सम्बन्धी समस्याओं की जानकारी दी गयी।
- जनपद स्तर पर आतमा परियोजना के अन्तर्गत कृषि विभाग द्वारा फरवरी 20, 2019 को आयोजित किसान मेले में केन्द्र द्वारा स्टाल लगाकर किसानोपयोगी जानकारी दी गयी, जिसमें चमोली की जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं एस.डी.एम. ने स्टाल का अवलोकन करते हुए केन्द्र के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। केन्द्र पर एक दिवसीय रबी किसान मेले एवं प्रधानमंन्त्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन फरवरी 24, 2019 को सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें 213 किसानो ने प्रतिभाग किया तथा कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग एवं आजीविका व भुवनेश्वरी संस्था के स्वयं सहायता समूहों के स्टाल द्वारा अपनी तकनीकी एवं उत्पादो को प्रदर्शित कर किसानो को लाभान्वित किया। मेले का उद्घाटन विकासखण्ड थराली के ब्लॉक प्रमुख श्री राकेश जोशी द्वारा किया गया तथा इसमें सांसद प्रतिनिधि श्री नरेन्द्र भारती द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त मेले में श्रीमती भावना रावत, जिला पंचायत सदस्य; श्रीमती मीनू टम्टा, ग्राम प्रधान–ग्वालदम; श्री परामनंद राम, उपजिलाधिकारी, थराली एवं श्रीमती दीपा भारती, प्रमुख नगर पंचायत, थराली द्वारा प्रतिभाग किया गया।

रबी किसान मेला एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन

- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अन्तर्गत दलहन, तिलहन एवं गेहूँ में कृषक प्रक्षेत्रों पर 13 है. क्षेत्रफल में 336 प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत पंत मसूर 8 का कलस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनो का आयोजन देवाल, थराली, नारायणबगड एवं कर्णप्रयाग विकासखण्ड़ में 200 कृषक प्रक्षेत्रों में 10 है. क्षेत्रफल में किया गया। तिलहन अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में तोरिया प्रजाति उत्तरा के प्रदर्शनों का आयोजन थराली, कर्णप्रयाग एवं घाट विकासखण्ड़ के 30 कृषक प्रक्षेत्रों पर 01 है. क्षेत्रफल में किया गया। गेहूँ की प्रजाति वी एल–907 के 106 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन देवाल, थराली, नारायणबगड कर्णप्रयाग एवं घाट विकासखण्ड़ में 02 है. क्षेत्रफल में किया गया। सब्जी उत्पादन में मटर की प्रजाति जी.एस.–10 को 01 है. क्षेत्रफल में थराली, नारायणबगड़ एवं गैरसैण विकासखण्ड के चयनित गांवों के 69 कृषक प्रक्षेत्रो में किया जा रहा है। गेहूँ की फसल में रतुआ रोग नियंत्रण हेतु 25 कृषक प्रक्षेत्रो पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन देवाल, थराली एवं नारायणबगड विकासखण्ड़ो में किया गया। कुक्कुट पालन के अन्तर्गत उत्तरा प्रजाति की 22 इकाईयां कृषकों के यहां स्थापित की गयी। पशुओ में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए मिथोचिलेटेड खनिज मिश्रण एवं कृमिनाशक के 20 प्रदर्शनों का आयोजन देवाल विकासखण्ड के गॉवो में किया गया। गृह विज्ञान विषय में महिला श्रम भार को कम करने के लिए मक्का सेलर के 10 प्रदर्शनों को ग्राम लोल्टी में आयोजित किया गया है, तथा उन्नत दरॉती के 20 परीक्षणों को भी प्रदर्शित किया जा रहा है।
- केन्द्र के प्रक्षेत्र पर कद्दूवर्गीय सब्जी पौध उत्पादन के अन्तर्गत समर स्क्वैश, लौकी, चिकनी तोरई, धारीदार तोरई, खीरा व शिमला मिर्च की पौध तैयार की जा रही है।
- इसके अतिरिक्त केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा देहरादून आकाशवाणी को 01 रेडियो वार्ता दी गयी। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद (मैनेज) के सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्वालदम में कौशल विकास योजना के अन्तर्गत ग्रामीण युवाओं हेतु फरवरी 11–17, 2019 में ''स्माल पोल्ट्री फार्मर'' एवं फरवरी 17–23, 2019 में ''नर्सरी वर्कर'' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें 15–15 युवकों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 20 युवको को केन्द्र पर फरवरी 27, 2019 से मार्च 23, 2019 तक ''नर्सरी वर्कर'' विषयक 200 घंटे का कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियो को पौधशाला उत्पादन की विधि, कम लागत व स्थानीय उपलब्ध संसाधनों से पॉलीटनल व पालीहाउस का निर्माण करने व उसमें पौधशाला तैयार कर सब्जी पौध उत्पादन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को पौधशाला उत्पादन को स्वरोजगार के रूप में अपनाकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाना है।
- केन्द्र पर जनवरी माह में डा. संजय कुमार, सह निदेशक (सस्य विज्ञान) ने प्रभारी अधिकारी का दायित्व ग्रहण किया तथा केन्द्र पर मार्च 27, 2019 को 15वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न कराई गयी। बैठक की अध्यक्षता डा. पी.एन. सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा द्वारा की गयी। बैठक में केन्द्र के समस्त स्टाफ के

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

अतिरिक्त रेखीय विभागों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषकों तथा पंतनगर विश्वविद्यालय से डा. एस.पी. उनियाल, प्राध्यापक (सब्जी विज्ञान); डा. बी.एस. कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान); डा. आर. के. शर्मा, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) तथा डा. मंजुल कांडपाल, प्राध्यापक (पशु विज्ञान) द्वारा प्रतिभाग करते हुए प्रसार कार्यो की समीक्षा की तथा आगामी वर्ष 2019–20 की कार्ययोजना पर विचार–विमर्श किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, गैना-एंचोली (पिथौरागढ़)

- विगत त्रैमास में केन्द्र पर 14 प्रशिक्षण सम्पन्न किए गये, जिसमें 286 कृषक (पुरूष 164 एवं 122 महिला) लाभान्वित हुए तथा ग्रामीण युवाओं को केन्द्र पर 01 प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें कुलः 10 ग्रामीण युवाओं को लाभान्वित किया गया। केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा वाह्य प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु 02 प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिसके द्वारा 40 प्रशिक्षणार्थी (पुरूष 24 एवं 16 महिला) लाभान्वित हुए।
- केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों के अन्तर्गत सरसों में 1.0 है., मसूर में 13.0 है, गेहूँ में 4.0 है., प्याज में 2.0 है., सब्जी मटर में 1.0 है., बरसीम में 1.2 है., ज्वार में 1.2 है. तथा मशरूम में 1.0 है. क्षेत्रफल आच्छादित किया गया।
- केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विगत त्रैमास में कृषकों के प्रक्षेत्र पर 53 भ्रमण किए गये, जिसके द्वारा 506 कृषक लाभान्वित हुए। केन्द्र पर जानकारियाँ प्राप्त करने हेतु किसानों द्वारा 112 भ्रमण किये गये, जिसमें 750 कृषक लाभान्वित हुए।
- केन्द्र द्वारा फरवरी 24, 2019 में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम एवं प्री–रबी किसान सम्मेलन 2018–19 का आयोजन किया गया, जिसमें 77 किसानों ने प्रधानमंत्री जी का कार्यक्रम टी.वी. के माध्यम से देखा और जानकारी प्राप्त की।
- केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा दिसम्बर 29, 2018 से फरवरी 24, 2019 तक केन्द्र में मशरूम ग्रोवर और वर्मी कम्पोस्ट प्रोड्यूसर पर 02 दक्षता कौशल पर कार्यक्रम चलाये गये, जिसमें 40 किसानों ने प्रतिभाग किया।
- केन्द्र के सभागार में मार्च 13, 2019 को 'वैज्ञानिक सलाहकार समिति' की 'पन्द्रहवीं' बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मार्च 2018 से दिसम्बर 2018 की प्रगति आख्या एवं वर्ष 2019–20 की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक की अध्यक्षता डा. वाई.पी.एस. डबास, निदेशक प्रसार शिक्षा द्वारा की गई। इसके अलावा इस बैठक में पन्तनगर विश्वविद्यालय से डा0 एस0एन0 तिवारी, निदेशक अनुसंधान केन्द्र, डा0 पी0सी0 पाण्डेय, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं डा0 बी0एस0 कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान), प्रसार शिक्षा निदेशालय भी उपस्थित थे।
- केन्द्र की पौध सुरक्षा वैज्ञानिक डा. निर्मला भट्ट, द्वारा मे डी सि न ल म श रू म उत्पादन पर फरवरी 18, से मार्च 02, 2019 तक कुल 04 तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिनमें 100 कृषकों को मशरूम उत्पाादन की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

मशरूम ग्रोवर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

- केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा मशरूम ग्रोवर पर 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मार्च 14–19, 2019 तक किया गया, जिसमें 20 कृषकों को मशरूम उत्पादन की जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जाखधार (रूद्रप्रयाग)

- केन्द्र द्वारा जनपद के कृषकों हेतु विभिन्न विषयों यथा पशुपालन, कृषि अभियंत्रण, सब्जी एवं फल उत्पादन (औद्यानिकी) तथा मृदा विज्ञान पर केन्द्र एवं केन्द्र के बाहर कुल 22 प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 399 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। साथ ही केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा आई.एल. एस.पी. परियोजना जनपद रूद्रप्रयाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय दो कृषक गोष्ठियों में प्रतिभाग किया गया जिसमें लगभग 500 से अधिक कृषकों को लाभान्वित किया गया।
- केन्द्र में फरवरी 27, 2019 को एक दिवसीय जनपद स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया, जिसका उदघाटन माननीय विधायक, केदारनाथ विधानसभा श्री मनोज रावत द्वारा किया गया। अपने संबोधन में माननीय विधायक जी ने केन्द्र द्वारा कृषि, उद्यान तथा पशुपालन में किये जा रहे नित नये प्रयोगों जैसे जैविक खेती, औद्यानिकी में कीवी की सफल खेती, फूल उत्पादन में गेंदे एवं गुलाब की खेती तथा पशुपालन में बीमारियों की रोकथाम आदि विषय पर किये जा रहे शोध कार्यों का अवलोकन किया एवं उक्त कार्यों की प्रशंसा की। अपने उद्घाटन संबोधन में माननीय विधायक जी ने किसानों का आह्वाहन किया कि वे ज्यादा संख्या में कृषि विज्ञान केन्द्र के साथ जुड़ें एवं केन्द्र में अपनाई जा रही तकनीकों का समावेश करें। प्रगतिशील महिला कृषक सुखदेई देवी ग्राम–कण्डारा के द्वारा अपने भाषण में कृषि विज्ञान केन्द्र में सृजित नई तकनीकों का अपने ग्राम में महिला स्वंय सहायता समूह के द्वारा प्रचार–प्रसार किया गया है जिससे कृषकों को आशातीत लाभ झंगोरा, मंडुवा तथा बेमौसमी सब्जी उत्पादन कार्यों में हुआ है। उक्त किसान मेले में कृषि विभाग, उद्यान विभाग व आजीविका विभाग द्वारा अपने–अपने स्टॉल लगाये गये तथा विभिन्न कृषि निवेशों जैसे– उन्नत किस्मों के बीज, दवाईयों तथा कृषि यंत्रों– नसूड़ा, कुटला, दरांती तथा हल आदि की बिक्री की गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को बेमौसमी सब्जी उत्पादन, वर्मी कम्पोस्टिंग, कृषि में उन्नत कृषि यंत्रों के प्रयोग आदि पर जानकारी दी गयी एवं किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया।

किसान मेले में आजीविका विभाग द्वारा लगाया गया स्टॉल

- केन्द्र पर गत वर्ष किये गये कार्यकलापों की प्रगति आख्या की समीक्षा व पुष्टि एवं वर्तमान वर्ष के प्रस्तावित कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने हेतु केन्द्र की 15वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक मार्च 28, 2019 को डा. पी.एन.सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, गो.ब. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, जाखधार के सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में डा. एस.पी. उनियाल, प्राध्यापक (सब्जी विज्ञान); डा. आर.के.शर्मा, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान); डा. बी.एस.कार्की, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) तथा डा. मन्जुल काण्डपाल, प्राध्यापक (पशु शल्य चिकित्सा) ने भी प्रतिभाग किया। बैठक के आरंभ में डा. संजय सचान, प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, जाखधार द्वारा बैठक में उपस्थित पंतनगर से आये निदेशक प्रसार शिक्षा, विभिन्न विषय विशेषज्ञों, रेखीय विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों एवं जनपद के प्रगतिशील किसानों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात डा. संजय सचान द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, जाखधार की गत वर्ष की प्रगति आख्या (जनवरी, 2018 से फरवरी, 2019) एवं कार्ययोजना (वर्ष 2019–20) का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा उपस्थित सदस्यों से कार्ययोजना पर सुझाव आमंत्रित किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर (ऊधमसिंहनगर)

- केन्द्र द्वारा विगत त्रैमास में कुल 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए। कौशल विकास के अर्न्तगत Aquaculture worker विषयक प्रशिक्षण

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम एक्वाकल्चर वर्कर

कार्यक्रम केन्द्र पर जनवरी 28 से फरवरी 21, 2019 तक किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कृषकों को तकनीकी साहित्य भी वितरित किये गए। MANAGE के द्वारा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम Aquaculture worker विषय पर केन्द्र के मत्स्य वैज्ञानिक डा. एस.के. शर्मा द्वारा केन्द्र पर मार्च 01–07, 2019 तक आयोजित किया गया। केन्द्र की गृह वैज्ञानिक डा. प्रतिभा सिह द्वारा पौध रोपण में श्रम कम करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण मार्च 25, 2019 को आयोजित किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 48 कृषक ग्रामीण युवको एवं महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

- विगत त्रैमास में केन्द्र द्वारा सरसों (पंत पीली सरसों–1), मसूर (पी.एल.–8), चना (पी.जी.–186), पोषण वाटिका, मात्स्यिकी के अर्न्तगत इण्डियन मेंजर कार्प एवं एक्सोटिक प्रजाति विषय पर आयोजित प्रदर्शनों के अनुश्रवण हेतु 441 भ्रमण किये गये। गर्मी के धान के विकल्प हेतु मक्का उत्पादन पर केन्द्र द्वारा किसान गोष्ठी में प्रतिभाग किया गया एवं केन्द्र पर भी मक्का के प्रदर्शन आयोजित किये गए। इसके अलावा आतमा (ऊधमसिंहनगर) के कृषको के प्रक्षेत्र पर भी संकर मक्का के प्रदर्शन आयोजित किये गए।
- केन्द्र द्वारा दो विषयो पर आयोजित ऑन फार्म ट्रायल का भी भ्रमण किया गया। मत्स्य पालन के अर्न्तगत Enhancement of farmers' income through improved fish spp. एवं गृह विज्ञान के अर्न्तगत मूल्यवर्धित आटे द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य में बढ़ावा लाना विषयक ट्रायल भी आयोजित किये गये।
- केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डा. सी. तिवारी द्वारा ICAR-CAZRI, जोधपुर, राजस्थान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में फरवरी 11–14, 2019 को प्रतिभाग किया गया। कृषक आय दोगुनी करने हेतु ''ग्रीष्म धान से मक्का उत्पादन की ओर'' विषय पर पोस्टर का प्रस्तुतीकरण किया गया। मार्च 11–12, 2019 को गृह विज्ञान महाविद्यालय पंतनगर में इन्टरफेस वर्कशाप में डा. सी. तिवारी एवं डा. प्रतिभा सिंह द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- केन्द्र द्वारा 32 वैज्ञानिक भ्रमणों के माध्यम से 211 कृषकों को लाभन्वित किया गया इसके अलावा केन्द्र द्वारा 03 प्रकाशन, एक सफलता की कहानी आई.सी.ए.आर. वेबसाइड पर अपलोड हुई और 06 न्यूज पेपर कवरेज हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मटेला (अल्मोड़ा)

- केन्द्र द्वारा विगत त्रैमास में कृषकों, ग्रामीण युवाओ एवं प्रसार कार्यकर्ताओ हेतु 22 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 395 प्रशिक्षणर्थीयों द्वारा प्रतिभाग किया गया। केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विगत त्रैमास में 47 कृषकों के प्रक्षेत्रों पर भ्रमण किया गया, जिसमें 388 कृषकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गयी एवं समस्याओं का निराकरण भी किया गया।
- केन्द्र द्वारा विगत त्रैमास में 25.66 है. क्षेत्रफल पर 281 कृषकों के प्रक्षेत्रों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों एवं अनुकरणीय प्रदर्शनों का आयोजन किया जा रहा है। केन्द्र द्वारा 03 कृषि प्रदर्शनियों में प्रतिभाग किया गया, जिसमें उपस्थित 3426 कृषकों को केन्द्र द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर लगभग 700 प्रसार प्रपत्रों का वितरण भी किया गया।
- विगत त्रैमास में विभिन्न स्थानीय एवं राज्य स्तरीय समाचार पत्रों में 06 कृषि सम्बन्धी समाचार प्रकाशित किये गये। विगत त्रैमास में विभिन्न फसलों पर 08 प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 227 कृषकों एवं रेखीय विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिन्हें कृषि की नई तकनीकी के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही 43 कृषकों के मृदा नमूनों की जॉच कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र के निकटवर्ती किसानों को उन्नतशील प्रजातियों की 75400 सब्जी पौध उपलब्ध करायी गई।
- मार्च 17, 2019 को कृषक वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संबोधन का लाईव प्रसारण दूरदर्शन के डी.डी किसान चैनल के माध्यम से विभिन्न क्षेत्र से आये कृषकों को दिखलाया गया। कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम में जैविक कृषि, बेमौसमी सब्जी उत्पादन, कीट रोग प्रबन्धन, खरपतवार नियंत्रण, वर्ष भर चारा उत्पादन, विभिन्न फसल, सब्जियों के उन्नत प्रजातियों इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी।
- मार्च 23, 2019 को केन्द्र द्वारा विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हवालबाग (अल्मोड़ा) में आयोजित किसान मेले में केन्द्र द्वारा स्टाल लगाया गया। इसके अलावा केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आयोजित 24 कृषक गोष्ठियों में भी प्रतिभाग किया गया, जिसमें उपस्थित 2572 कृषकों की समस्याओं का मौके पर ही निदान भी बताया गया।

प्रशिक्षण एवं भ्रमण इकाई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/भ्रमण

प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्रशिक्षण एवं भ्रमण इकाई द्वारा विगत त्रैमास में विभिन्न सरकारी विभागों, स्वयं–सेवी संस्थाओं, निजी एवं सार्वजनिक फर्मों तथा परियोजनाओं द्वारा प्रायोजित कुल 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजित किये गये प्रशिक्षण कृषि विविधिकरण, पशुपालन, जैविक खेती एवं मृदा के सूक्ष्म पोषक तत्व एवं उर्वरक संस्तुति से सम्बन्धित थे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से 342 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए। अधिकांश प्रशिक्षण तीन दिवसीय से लेकर पांच दिवसीय थे। प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक एवं प्रभारी प्रशिक्षण डा. एस. के. बंसल द्वारा किया गया।

एकल खिड़की पद्धति से कृषक सेवा

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कार्यरत कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र (एटिक) द्वारा विगत त्रैमास में पंतनगर कृषक हेल्पलाईन (05944–234810, 05944–235580) एवं किसान कॉल सेन्टर (1800–180–1551 टोल फ्री) के माध्यम से किसानों द्वारा कुल 291 प्रश्नों द्वारा समस्याओं का समाधान चाहा गया, जिनका समाधान सम्बन्धित विषय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया। देश एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आये 1158 कृषकों ने एटिक पर भ्रमण किया एवं किसानों द्वारा एटिक से कुल रू. 75,265 के साहित्य एवं रू. 71,525 के विभिन्न सब्जियों आदि के बीज क्रय किये गये। एटिक की गतिविधियों का संचालन डा. बी.एस. कार्की, प्राध्यापक (सस्य)/प्रभारी अधिकारी एटिक के मार्गदर्शन में किया गया।

आगामी त्रैमास में कृषकों हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु

कृषि हेतु

- सूरजमुखी के खेत में फूल निकलते समय पर्याप्त नमी होना आवश्यक है। अतः 10–15 दिन के अन्तराल में सिंचाई करते रहें।
- पर्वतीय क्षेत्रों में चेतकी धान की बुवाई मार्च से लेकर अप्रैल प्रथम सप्ताह तक कर लें। इसके लिए वी.एल. धान–207, वी.एल. धान–208 एवं वी.एल. धान–209 नामक प्रजातियों का प्रयोग करें तथा जेठी धान की बुवाई मई अन्तिम सप्ताह से जून प्रथम सप्ताह तक धान की वी.एल. धान–54, वी.एल. धान–221 तथा सिंचित क्षेत्रों में गोविन्द, पंत धान–6, पंत धान–11 इत्यादि प्रजातियों की बुवाई करें।
- अप्रैल माह में आम के बाग की सिंचाई करें। श्यामवर्ण रोग की रोकथाम के लिए ब्लाइटॉक्स–50 (0.25 प्रतिशत) का छिड़काव करें। आन्तरिक ऊतकक्षय रोग की रोकथाम के लिए बोरेक्स (0.8 प्रतिशत) का छिड़काव करें। भुनगा कीट के लिए सेविन (0.2 प्रतिशत) और छोटी पत्ती रोग की रोकथाम के लिए जिंक सल्फेट (0.5 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- अप्रैल माह में अमरूद के पेड़ों की कटाई–छंटाई का कार्य करें।
- लीची, लोकाट, आंवला एवं कटहल में 15 दिन के अन्तराल पर अप्रैल माह में दो बार सिंचाई करें।
- मई माह में उर्द व मूंग में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- सिंचित क्षेत्रों में देर एवं मध्यम अवधि में पकने वाली धान की प्रजातियों का बीज पौधशाला में मई माह के अन्तिम सप्ताह से 15 जून तक डाल दें।
- गर्मियों में गन्ने की फसल में 7–10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहें।
- पर्वतीय क्षेत्रों में मई मध्य से जून अन्त तक मंडुवा की बुवाई करें। मंडुवा की वी. एल. मंडुवा–324, वी.एल. मंडुवा–149 एवं वी.एल. मंडुवा–315 उन्नतशील प्रजातियों की बुवाई करें।
- मध्यम–ऊंचे एवं अत्यधिक–ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में अप्रैल अन्त से मई प्रारम्भ तक तथा निचले पर्वतीय क्षेत्रों में मई अन्त से मध्य जून तक मक्के की वी.एल. मक्का–42, वी.एल. मक्का–88 एवं वी.एल. मक्का–41 एवं नवजोत आदि प्रजातियों की बुवाई करें।
- जून माह में कम अवधि में तैयार होने वाली अरहर की किस्मों उपास–120, प्रभात आदि प्रजातियों की बुवाई करें।

पशुपालन हेतु

- पशुओं में मुँहपका–खुरपका रोग के बचाव हेतु टीकाकरण करवाएं।
- पशुओं को गर्मी से बचाव हेतु दिन में दो बार स्नान की व्यवस्था करें।
- मुर्गियों में रानीखेत एवं चेचक का टीका लगवाएं। गर्मी से बचाव के लिए छज्जे पर घास या छप्पर डालकर गीला करते रहें।
- जून माह में पशुओं पर वाह्य कृमि नाशक दवा का उपयोग करें।

निदेशक की कलम से

रबी की फसल खेतों में खड़ी है। जनवरी माह में अपेक्षित वर्षा न होने के कारण फसल एवं फलों के उत्पादन में कमी आने की सम्भावना है। चूँकि पर्वतीय कृषि अधिकांशतः वर्षा पर आधारित है, अतः आगामी दिनों में फसल के बचाव हेतु नमी संरक्षण तकनीक को अपनाना नितांत आवश्यक होगा।

जायद की सब्जियों की बुआई का मौसम आ रहा है। फरवरी से अप्रैल तक अगेती, समय से एवं पछेती विभिन्न सब्जियों जैसे भिण्डी, टमाटर, बैगन, मिर्च, लौकी, तुरई आदि की रूक–रूक कर कई चरणों में बुवाई करें, जिससे अनवरत् रूप से लम्बे समय तक सब्जियों की उपलब्धता बनी रहे तथा बेमौसम में भी लाभ अर्जित किया जा सके। सब्जियों की क्षेत्र विशेष के लिए संस्तुत उन्नत किस्मों के बीजों की बुवाई करें। बीज सदैव विश्वसनीय दुकानों या कृषि विश्वविद्यालय से खरीदें। बुवाई से पूर्व बीजों को जैविक कल्चर अथवा रसायनों से शोधित कर लें। इन शोधित बीजों की बुवाई संस्तुत मात्रा एव विधि से ही करें। गर्मी में यही सब्जियाँ बाजार में अच्छी कीमत देती है।

इसके लिए कृषक स्तर पर सही जानकारी प्रदान करने एवं दक्ष करने की आवश्यकता है। समाचार पत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन कृषि सम्बन्धी सूचना देते हैं, साथ ही कृषि विभाग व विकास खण्ड भी किसानों तक सूचना पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। परन्तु समय से सही सूचना किसानों तक पहुंचाना एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए स्वयं किसानों को भी प्रयासरत रहना होगा। किसानों को अपने जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों से सम्पर्क करना होगा। यह सम्पर्क समयाभाव में दूरभाष से भी किया जा सकता है। जलवायु एवं कृषि परिस्थिति के अनुरूप कृषि सूचना प्राप्त करके तदनुसार अपने खेतों पर उपयोग कर वांछित लाभ प्राप्त किया जा सकता है। सभी कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को भी नमी संरक्षण की नवीनतम एवं उपयोगी विधियों तथा जायद की सब्जियों हेतु उन्नत बीजों को किसानों तक पहुंचाने का भगीरथ प्रयास करना होगा। उपलब्ध आधुनिक कृषि तकनीक को संचार क्रान्ति के साथ जोड़ देने से इसे सुदूर स्थित कृषकों तक तीव्रतम् गति से पहुंचाया जा सकता है।

(पी0एन0 सिंह)

सम्पर्क सूत्र :– डा0 पी0एन0 सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड), ☎ 05944–233336 (कार्यालय), 233664 (निवास), Email-dee_gbpuat@rediffmail.com

विश्वविद्यालय हेल्प लाइन दूरभाष सं0 05944–234810, किसान कॉल सेन्टर निःशुल्क दूरभाष सं0 1800–180–1551

दृश्य यात्रा

105वाँ अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी की झलकियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं भ्रमण कार्यक्रमों की झलकियाँ

मुद्रक : कृषिविद्यालय मुद्रणालय, पन्तनगर